सोमवार, 16 जून, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

कॉमनवेल्थ खेलों के लिए नीरज चोपड़ा की वापसी

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

गोविंद नामदेव ने निर्माताओं पर लगाए गंभीर आरोप

Page-05

भारतीय स्पिनरों ने मैच में शानदार प्रदर्शन किया। दीप्ति शर्मा ने घातक गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट झटके और पाकिस्तान की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। उनके अलावा श्री चरणी ने तीन विकेट हासिल किए, जबकि शेफाली वर्मा ने भी एक सफलता अपने नाम की।

भारत की धमाकेदार शुरुआत

पाकिस्तान को 64 रन से हराया

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने अपने अभियान का शानदार आगाज करते हुए चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 64 रन से करारी शिकस्त दी। ग्रुप-ए के मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 170 रन बनाए, जिसके जवाब में पाकिस्तान की पूरी टीम 17 ओवर में 106 रन पर सिमट गई। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में मजबूत शुरुआत की है।टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने शुरुआती दो विकेट सिर्फ 18 रन के स्कोर पर गंवा दिए। हालांकि इसके बाद स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पारी को संभालते हुए तीसरे विकेट के लिए 91 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। दोनों बल्लेबाजों

ने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन मिश्रण दिखाते हुए पाकिस्तान पर दबाव बना दिया।स्मृति मंधाना ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 44 गेंदों में 68 रन बनाए, जिसमें कई आकर्षक चौके और छक्के शामिल रहे। वहीं कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 36 रन की उपयोगी पारी खेलकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। अंतिम ओवरों में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 17 गेंदों में 34 रन बनाए। उनकी आक्रामक पारी की बदौलत भारत निर्धारित 20 ओवर में 170 रन तक पहुंचने में सफल रहा।।171 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की टीम ने तेज शुरुआत की। मुबीना अली और गुल फरोज की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 38 रन जोड़कर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। लेकिन पांचवें ओवर में दीप्ति शर्मा ने गुल फरोज को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद पाकिस्तानी बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई और नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। भारतीय गेंदबाजों के सामने पाकिस्तान की टीम 106 रन पर सिमट गई।भारत अब अपना अगला मुकाबला 17 जून को नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलेगा। टीम की इस शानदार जीत ने टूर्नामेंट में उसकी दावेदारी को और मजबूत कर दिया है।

अखिलेश यादव की बेटी की सोशल मीडिया पर हो रही ट्रोलिंग की कड़े शब्दों में निंदा की

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव की बेटी की सोशल मीडिया पर हो रही ट्रोलिंग की कड़े शब्दों में निंदा की है। उनके खिलाफ की जा रही झूठी और अभद्र टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियां चाहे किसी की भी हों, उन्हें इस तरह की खराब सार्वजनिक चर्चाओं का हिस्सा नहीं बनाया जाना चाहिए। यूपी के आजमगढ़ में 955 करोड़ रुपये से अधिक की विकास योजनाओं के उद्घाटन के दौरान उन्होंने साफ कहा कि बेटियों के खिलाफ ऐसी घटिया हरकतें किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएंगी।एक जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा, "मैंने हाल ही में देखा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर अखिलेश यादव जी की बेटी के खिलाफ गलत टिप्पणियां कर रहे थे। जैसे ही यह मामला मेरे संज्ञान में आया, मैंने तुरंत पुलिस को दोषियों के खिलाफ सख्त धाराओं में FIR दर्ज करने का आदेश दिया।" उन्होंने आगे कहा कि बेटी तो बेटी होती है। हम ऐसे संस्कारों में पले-बढ़े हैं जहां गांव की बेटी सबकी बेटी और गांव की बहन सबकी बहन होती है। हमने कभी राजनीति में इस तरह का कोई भेदभाव नहीं किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह बयान तब आया है जब पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की बेटी को निशाना बनाकर सोशल मीडिया पर एक झूठी और मानहानिकारक पोस्ट फैलाई गई, जिसके बाद तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

'भारत इनोवेट्स' इवेंट के लॉन्च के दौरान दोनों देशों के मजबूत होते रिश्तों पर बात रखी

फ्रांस के नीस शहर में 'भारत इनोवेट्स' इवेंट के लॉन्च के दौरान केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने दोनों देशों के मजबूत होते रिश्तों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, "इस साल हमारे रिश्ते एक खास ग्लोबल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप के लेवल तक पहुंच गए हैं। फरवरी 2025 में, पीएम मोदी ने पेरिस में AI एक्शन समिट की को-चेयरमैनशिप की थी। इसके बाद फरवरी 2026 में, जब भारत ने AI इम्पैक्ट समिट की मेजबानी की, तो राष्ट्रपति मैक्रों हमारे साथ खड़े थे। आज, दोनों महान नेता नीस के इस खूबसूरत शहर में फिर से मिलकर एक ज्यादा इनोवेटिव दुनिया के लिए अपनी साझा सोच को दोहरा रहे हैं।" उन्होंने बताया कि साल 2026 को 'भारत-फ्रांस इनोवेशन वर्ष' के तौर पर मनाया जा रहा है, जो इस पहल को एकदम सही माहौल देता है।जियोपॉलिटिक्स का जिक्र करते हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, "हम एक ऐसे अनिश्चित समय में मिल रहे हैं जब दुनिया की राजनीति में बड़े बदलाव हो रहे हैं और नई टेक्नोलॉजी तेजी से बदल रही है। ऐसे समय में, पूरी दुनिया हमेशा एक भरोसेमंद और विश्वसनीय पार्टनर की तलाश करती है। भारत आज दुनिया के सामने वही भरोसेमंद भूमिका निभा रहा है। हम दुनिया के सबसे युवा बड़े देश की एनर्जी, बेहतरीन टैलेंट पूल और एक ऐसा बड़ा पैमाना लेकर आते हैं, जिसका मुकाबला शायद ही कोई दूसरा देश कर सके।"

ममता बनर्जी के वफादार सांसदों ने भी दिल्ली में मोर्चा संभाल

तृणमूल कांग्रेस के 22 सांसदों की बगावत की खबरों के बीच, ममता बनर्जी के वफादार सांसदों ने भी दिल्ली में मोर्चा संभाल लिया है। रविवार को टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद और सागरिका घोष अचानक लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के आवास पर पहुंचे। जब मीडिया ने कीर्ति आजाद से पूछा कि क्या उनके पास स्पीकर से मिलने का पहले से समय है, तो उन्होंने कहा, "अगर सर हमें समय देंगे, तो हम अंदर जाएंगे। नहीं तो, हम वापस चले जाएंगे।" लोकसभा स्पीकर के दफ्तर को पत्र सौंपने के बाद टीएमसी सांसद सागरिका घोष ने मीडिया से बात करते हुए बागी गुट पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, "हमने लोकसभा स्पीकर को एक पत्र दिया है, जिसमें साफ कहा गया है कि टीएमसी एक अटूट और अविभाज्य पार्टी है। आप लोकसभा के भीतर कोई भी अलग गुट नहीं बना सकते। यह पूरी तरह से संविधान के खिलाफ है। जो लोग टीएमसी को तोड़ना चाहते हैं और संसद के अंदर अलग ग्रुप बनाना चाहते हैं, कानून इसकी इजाजत बिल्कुल नहीं देता।" बागी सांसदों पर निशाना साधते हुए सागरिका ने आगे कहा, "यह आपकी नैतिक कमजोरी को दिखाता है कि जब पार्टी चुनाव हारती है, तो आप उस पार्टी, उस नेता और उस चुनाव चिह्न को ही छोड़ देते हैं, जिसके दम पर आप चुनाव जीतकर संसद पहुंचे हैं।" पूर्व क्रिकेटर और टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने कानूनी नियमों की बात करते हुए कहा, "यह पूरा मामला बिल्कुल साफ है। सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक बेंच ने इस पर फैसला दिया है और संविधान की 10वीं

अनुसूची के अनुच्छेद 4 में भी इसका साफ जिक्र है कि पार्टी के भीतर अब किसी भी तरह का विभाजन मान्य नहीं हो सकता।" महाराष्ट्र की सियासत का उदाहरण देते हुए उन्होंने आगे कहा, "महाराष्ट्र में जो कुछ भी हुआ था, वह पूरी तरह गलत था। इसलिए, हम इसी मामले को लेकर एक आवेदन के साथ यहां आए हैं और हमने स्पीकर को अपना पत्र सौंप दिया है। हमें पूरा भरोसा है कि लोकसभा स्पीकर नियमों और देश के संविधान के अनुसार ही सही फैसला लेंगे, जैसा कि वे अब तक करते आए हैं।"

संजय राउत ने बताया पार्टी को मजबूत करने का 'मास्टरप्लान

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस कोई 'डूबता हुआ जहाज' नहीं है और जो नेता पहले कांग्रेस छोड़कर अलग दल बना चुके हैं, उन्हें अब फिर से एकजुट होकर पार्टी को मजबूत करना चाहिए। उन्होंने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार से इस दिशा में पहल करने की अपील भी की। यह बयान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा एक दिन पहले कांग्रेस को 'डूबता जहाज' बताए जाने के जवाब में आया है। राउत ने पुणे में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि बीजेपी की राजनीति का मुकाबला करने के लिए सभी विपक्षी दलों को साथ आना होगा। उन्होंने कहा, 'यदि हम वास्तव में बीजेपी की विकृत राजनीति के खिलाफ लड़ना चाहते हैं, तो सभी को एकजुट होना होगा। कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनना चाहिए। कांग्रेस छोड़कर गए सभी नेताओं को पहले एक साथ आना चाहिए। यदि वरिष्ठ नेता शरद पवार पहल करें तो यह संभव हो सकता है। हम एक क्षेत्रीय पार्टी हैं और हम आपके साथ खड़े रहेंगे।'शिवसेना (UBT) के प्रवक्ता ने कहा,'आज भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कांग्रेस से डरते हैं। कांग्रेस कभी डूबता हुआ जहाज नहीं थी।' उन्होंने यह भी कहा कि इस सप्ताह की शुरुआत में भी उन्होंने तृणमूल कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) जैसी पार्टियों को फिर से कांग्रेस के साथ आने और उसे मजबूत करने की बात कही थी।

भारतीय नाविकों ने भारत सरकार से मदद की गुहार लगाई

ईरान और होर्मुज जलडमरूमध्य के पास कमर्शियल जहाजों पर काम करने वाले भारतीय नाविकों ने भारत सरकार से मदद की गुहार लगाई है। नाविकों का कहना है कि इस इलाके में हाल ही में हुए अमेरिकी सैन्य हमलों के दौरान उन्हें और उनके जहाजों को निशाना बनाया जा रहा है, जिससे उनकी जान पर बड़ा खतरा मंडरा रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कुछ वीडियो में परेशान भारतीय नाविक अपनी आपबीती सुनाते हुए बेहद डरे हुए नजर आ रहे हैं। एक नाविक ने वीडियो में कहा, "हम ईरान में हैं और यहां हालात बहुत खराब हैं। सिर्फ भारतीय क्रू वाले जहाजों पर हमले हो रहे हैं। हमें किसी और की लड़ाई में क्यों घसीटा जा रहा है? हम सैनिक नहीं हैं, बल्कि कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले आम नाविक हैं जो अर्थव्यवस्था को चलाने, तेल लाने और दुनिया भर में व्यापार बढ़ाने में मदद करते हैं।" उसने सवाल उठाया कि जब भारतीय क्रू मेंबर्स को युद्ध की कोई ट्रेनिंग नहीं दी जाती, तो उन पर हमले क्यों किए जा रहे हैं। वीडियो में नाविक ने एक दर्दनाक घटना का जिक्र करते हुए बताया कि उसने पहले जिस जहाज पर काम किया था, उस पर हाल ही में हमला हुआ, जिसमें तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई। उसने कहा, "जिस जहाज पर कल हमला हुआ, उस पर मैं काम कर चुका हूं। मैंने वहां के कैप्टन से बात की, जिन्होंने बताया कि

ओमान में एक मिसाइल दागी गई है।" एक अन्य नाविक ने चिंता जताते हुए कहा कि दुनिया भर में 13 लाख से ज्यादा भारतीय नाविक काम कर रहे हैं, लेकिन आज इस संकट के समय में उनकी आवाज कोई नहीं सुन रहा है।

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई–पेपर

प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई–पेपर

विज्ञापन दर

साईज़	विजिटिंग कार्ड	क्वार्टर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2 - 3)	फुल पेज (कवर 4– अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

ईरान-अमेरिका शांति समझौते पर संकट

बेरूत पर इजरायली हमले से बढ़ा तनाव

इजरायली हमलों के बाद मध्य पूर्व में कूटनीतिक हलचल तेज हो गई है। कतर, ओमान और तुर्की जैसे देशों ने दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने भी क्षेत्रीय स्थिरता को बनाए रखने के लिए तत्काल संवाद की आवश्यकता पर जोर दिया है।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित शांति समझौते पर अनिश्चितता के बादल मंडरा गए हैं। रविवार को समझौते पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद जताई जा रही थी, लेकिन उसी दिन लेबनान की राजधानी बेरूत पर इजरायल द्वारा किए गए हवाई हमलों ने पूरे घटनाक्रम को नया मोड़ दे दिया। ईरान ने आरोप लगाया है कि इजरायल की कार्रवाई शांति प्रक्रिया को पटरी से उतार सकती है।रिपोर्टों के अनुसार इजरायली सेना ने बेरूत में हिज्बुल्लाह से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए। हमले में कई नागरिकों के हताहत होने की खबर है। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई जब अमेरिका, कतर और अन्य मध्यस्थ देशों की मदद से ईरान के साथ एक महत्वपूर्ण समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहा था।ईरानी संसद के वरिष्ठ नेता मोहम्मद बाकिर कालीबाफ ने कहा कि यदि अमेरिका वास्तव में शांति चाहता है तो उसे अपने सहयोगियों को संयम बरतने के लिए कहना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि वाशिंगटन इजरायल को नियंत्रित करने में विफल रहा है। दूसरी ओर अमेरिकी प्रशासन ने कहा है कि शांति समझौते की प्रक्रिया अभी भी जारी है और बातचीत पूरी तरह खत्म नहीं हुई है।इस संभावित समझौते में ईरान पर लगे कुछ आर्थिक प्रतिबंधों में राहत, उसके जमे हुए अरबों डॉलर के फंड की रिहाई और परमाणु कार्यक्रम पर नए आश्वासन शामिल बताए जा रहे हैं। इसी कारण पूरी दुनिया की निगाहें इस वार्ता पर टिकी हुई हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इजरायल की कार्रवाई पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमला शांति प्रयासों के लिए बाधा बन सकता है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अभी समझौते की संभावनाएं समाप्त नहीं हुई हैं और बातचीत जारी है। ट्रंप प्रशासन का दावा है कि वार्ता के जरिए क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही अस्थिरता को कम करने का अवसर मिला है। दूसरी ओर ईरान में भी इस प्रस्तावित समझौते को लेकर मतभेद सामने आ रहे हैं। कुछ राजनीतिक समूह इसे देश के हित में बता रहे हैं, जबकि कट्टरपंथी धड़े अमेरिका पर भरोसा न करने की सलाह दे रहे हैं। इसी कारण समझौते के अंतिम स्वरूप को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। विश्लेषकों का कहना है कि आने वाले 48 घंटे बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। यदि समझौता सफल होता है तो यह मध्य पूर्व की राजनीति में बड़ा बदलाव ला सकता है, लेकिन यदि वार्ता विफल होती है तो क्षेत्र में नए सैन्य टकराव का खतरा बढ़ सकता है। फिलहाल पूरी दुनिया की निगाहें तेहरान, वाशिंगटन और तेल अवीव पर टिकी हुई हैं।

जी-7 शिखर सम्मेलन से पहले वैश्विक नेताओं की नजर फ्रांस पर

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

फ्रांस में 15 जून से शुरू होने जा रहे जी-7 शिखर सम्मेलन से पहले दुनिया की नजरें यूरोप पर टिक गई हैं। सम्मेलन में वैश्विक व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, यूक्रेन युद्ध और मध्य पूर्व की स्थिति जैसे मुद्दों पर व्यापक चर्चा होने की संभावना है।फ्रांस के एवियन-ले-बैंस शहर में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन में अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, इटली, कनाडा और जापान के शीर्ष नेता भाग लेंगे। सम्मेलन ऐसे समय आयोजित हो रहा है जब दुनिया कई भू-राजनीतिक चुनौतियों का सामना कर रही है।विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार मध्य पूर्व की स्थिति और ईरान से जुड़े घटनाक्रम चर्चा के केंद्र में रह सकते हैं। इसके अलावा रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर भी सदस्य देशों के बीच रणनीतिक बातचीत होने की उम्मीद है। आर्थिक मोर्चे पर वैश्विक व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने के उपायों पर विचार किया जाएगा।कई देशों की नजर इस बात पर भी है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और नई तकनीकों के नियमन को लेकर जी-7 देश क्या रुख अपनाते हैं। पिछले कुछ वर्षों में एआई के तेजी से विस्तार ने रोजगार, सुरक्षा और डेटा गोपनीयता से जुड़े नए सवाल खड़े किए हैं। फ्रांसीसी अधिकारियों का कहना है कि सम्मेलन का उद्देश्य केवल साझा चुनौतियों पर चर्चा करना नहीं, बल्कि उनके समाधान के लिए ठोस सहयोग को बढ़ावा देना भी है। ऐसे में यह बैठक वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था की दिशा तय करने वाली महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक मानी जा रही है।

तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम में आधी रात भूकंप के झटके महसूस किए गए

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम में आधी रात धरती हिलने लगी। यहां भूकंप के झटके महसूस किए गए। शनिवार और रविवार की दरमियानी रात दो बजकर 26 मिनट के करीब भूकंप महसूस किया गया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.8 मैग्नीट्यूड थी। इस तीव्रता के भूकंप कोई बड़ा नुकसान नहीं करते हैं और इस घटना में भी कोई खास नुकसान नहीं हुआ। देर रात होने के कारण अधिकतर लोग सो रहे थे और उन्हें भूकंप का पता भी नहीं चला। हालांकि, तीव्रता 6 से ज्यादा होने पर भारी नुकसान हो सकता था। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम जिले में रिक्टर स्केल पर 3.8 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप के झटके देर रात दो बजकर 26 मिनट के करीब महसूस किए गए। भूकंप केंद्र की गहराई मात्र 10 किलोमीटर थी। अभी तक किसी जान-माल की हानि या नुकसान की कोई खबर नहीं है। स्थानीय लोगों ने हल्के झटके महसूस किए, लेकिन यह इतना कमजोर था कि बड़े पैमाने पर कोई असर नहीं पड़ा। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल या आधुनिक मॉमेंट मैग्नीट्यूड स्केल पर मापी जाती है। यह लॉगरिदमिक स्केल है। हर 1 पॉइंट बढ़ने पर कंपन की ताकत

10 गुना और ऊर्जा लगभग 31-32 गुना बढ़ जाती है। 3.8 तीव्रता का भूकंप सुरक्षित श्रेणी में आता है। ज्यादातर लोग इसे महसूस कर सकते हैं, लेकिन इमारतें टूटने या बड़े नुकसान की संभावना न के बराबर होती है। पृथ्वी की ऊपरी परत कई टेक्टॉनिक प्लेट्स में बंटी हुई है। ये प्लेट्स हर साल कुछ सेंटीमीटर की रफ्तार से घूमती रहती हैं। जब ये प्लेट्स एक-दूसरे से टकराती हैं, रगड़ती हैं या अलग होती हैं, तो उनके बीच तनाव जमा होता है। जब यह तनाव बहुत ज्यादा हो जाता है, तो प्लेट्स अचानक खिसक जाती हैं।

विश्व कप में स्कॉटलैंड ने रचा इतिहास, 36 साल बाद दर्ज की पहली जीत

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

फीफा विश्व कप 2026 में स्कॉटलैंड ने इतिहास रचते हुए 36 वर्षों बाद विश्व कप मुकाबले में जीत हासिल की है। ग्रुप चरण के एक महत्वपूर्ण मुकाबले में स्कॉटलैंड ने हैती को 1-0 से हराकर अपने प्रशंसकों को जश्न मनाने का बड़ा मौका दिया। इस जीत के साथ टीम के नॉकआउट चरण में पहुंचने की उम्मीदें भी मजबूत हो गई हैं।स्कॉटलैंड ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। दोनों टीमों के बीच मुकाबला काफी संघर्षपूर्ण रहा, लेकिन स्कॉटिश खिलाड़ियों ने रक्षात्मक अनुशासन बनाए रखते हुए बढ़त हासिल की और उसे अंत तक कायम रखा। अंतिम सीटी बजते ही खिलाड़ियों और समर्थकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।यह जीत इसलिए भी विशेष मानी जा रही है क्योंकि स्कॉटलैंड लंबे समय से विश्व कप मंच पर संघर्ष करता रहा है। पिछली कई प्रतियोगिताओं में टीम अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सकी थी। ऐसे में 36 साल बाद मिली यह जीत देश के फुटबॉल इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दर्ज की जा रही है।कोच और खिलाड़ियों ने जीत का श्रेय टीम वर्क और अनुशासित प्रदर्शन को दिया। कप्तान ने कहा कि यह केवल एक जीत नहीं बल्कि वर्षों के संघर्ष का परिणाम है। उन्होंने कहा कि टीम अब अगले मुकाबलों पर ध्यान केंद्रित करेगी और नॉकआउट चरण में जगह बनाने के लिए पूरा प्रयास करेगी। फुटबॉल विशेषज्ञों का मानना है कि इस जीत से स्कॉटलैंड का आत्मविश्वास बढ़ेगा और टीम आगे के मुकाबलों में अधिक मजबूती के साथ उतरेगी। विश्व कप के शुरुआती चरण में मिली इस सफलता ने टूर्नामेंट को और रोमांचक बना दिया है।

रूस का कीव पर बड़ा ड्रोन और मिसाइल हमला

कई इलाकों में तबाही

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के बीच यूक्रेन की राजधानी कीव पर एक बार फिर बड़े पैमाने पर ड्रोन और मिसाइल हमला किया गया। यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार हमले में राजधानी के कई हिस्सों को निशाना बनाया गया, जिससे आवासीय भवनों और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है।हमले के दौरान पूरे शहर में एयर रेड सायरन बजने लगे और हजारों नागरिकों को मेट्रो स्टेशनों तथा भूमिगत शरण स्थलों में शरण लेनी पड़ी। प्रशासन ने बताया कि कई स्थानों पर गिरते मलबे से आग लग गई, जिसे बुझाने के लिए आपातकालीन सेवाओं को घंटों तक काम करना पड़ा।यूक्रेनी सैन्य प्रशासन का कहना है कि वायु रक्षा प्रणाली ने कई ड्रोन और मिसाइलों को मार गिराया, लेकिन कुछ लक्ष्य तक पहुंचने में सफल रहे। हमले के बाद बिजली और संचार सेवाओं पर भी असर पड़ा। स्थानीय प्रशासन

ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है।यूक्रेन के राष्ट्रपति ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि रूस लगातार नागरिक क्षेत्रों को निशाना बना रहा है। उन्होंने पश्चिमी देशों से अतिरिक्त वायु रक्षा प्रणालियां उपलब्ध कराने की मांग दोहराई। दूसरी ओर रूस ने अपने सैन्य अभियानों को रणनीतिक लक्ष्यों के खिलाफ कार्रवाई बताया है।विश्लेषकों का कहना है कि हाल के सप्ताहों में दोनों देशों के बीच संघर्ष और तेज हुआ है। युद्धविराम की संभावनाएं कमजोर पड़ती दिखाई दे रही हैं और दोनों पक्ष लगातार एक-दूसरे के महत्वपूर्ण ठिकानों को निशाना बना रहे हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में संघर्ष और बढ़ने की आशंका व्यक्त की जा रही है।

संपादक की कलम से

देश का युवा आज केवल रोजगार की चुनौती से नहीं जूझ रहा, बल्कि उसे उस परीक्षा व्यवस्था पर भी भरोसा बनाए रखने की लड़ाई लड़नी पड़ रही है, जो उसके भविष्य का निर्धारण करती है। पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं में पेपर लीक, अनियमितताओं, परिणामों में देरी और पारदर्शिता को लेकर उठे सवालों ने लाखों विद्यार्थियों की चिंताओं को बढ़ा दिया है। यह केवल प्रशासनिक समस्या नहीं है, बल्कि देश की सामाजिक और आर्थिक संरचना से जुड़ा गंभीर विषय बन चुका है।किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसके युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और विश्वास पर निर्भर करती है। जब एक छात्र वर्षों तक कठिन परिश्रम करके किसी परीक्षा की तैयारी करता है और फिर परीक्षा की निष्पक्षता पर ही सवाल खड़े हो जाते हैं, तो उसके मन में व्यवस्था के प्रति निराशा पैदा होना स्वाभाविक है। यह निराशा केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं रहती, बल्कि धीरे-धीरे पूरे समाज में असंतोष का कारण बन सकती है।सरकारों ने समय-समय पर परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। डिजिटल तकनीक का उपयोग बढ़ा है, निगरानी व्यवस्था को मजबूत किया गया है और दोषियों के खिलाफ कड़े कानून भी बनाए गए हैं। इसके बावजूद यदि बार-बार विवाद सामने आते हैं, तो यह संकेत है कि सुधारों को और अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके कठोर और त्वरित क्रियान्वयन की भी जरूरत है।इस समस्या का समाधान राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप में नहीं, बल्कि संस्थागत सुधारों में छिपा है। परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसियों की जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी, तकनीकी सुरक्षा को मजबूत बनाना होगा और किसी भी गड़बड़ी की स्थिति में त्वरित कार्रवाई करनी होगी। साथ ही विद्यार्थियों को समय पर और स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराना भी आवश्यक है।भारत दुनिया की सबसे युवा आबादी वाले देशों में से एक है। यदि युवाओं का विश्वास कमजोर पड़ता है तो इसका असर केवल रोजगार पर नहीं, बल्कि देश के भविष्य पर भी पड़ेगा। इसलिए परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता को बनाए रखना केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता है। आज समय की मांग है कि सरकार, संस्थाएं और समाज मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करें जिसमें हर विद्यार्थी को यह विश्वास हो कि उसकी मेहनत का मूल्यांकन पूरी ईमानदारी और निष्पक्षता के साथ होगा। यही विश्वास देश की सबसे बड़ी पूंजी है।

देहरादून में भाजयुमो नेता की हत्या के बाद बवाल आरोपी के घरों पर बुलडोजर, पूरे इलाके में तनाव

भाजपा के कई स्थानीय नेताओं और जनप्रतिनिधियों ने मृतक के परिवार से मुलाकात कर न्याय दिलाने का भरोसा दिया है। वहीं विपक्षी दलों ने भी घटना पर चिंता जताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह मामला केवल एक आपराधिक घटना नहीं रह गया है, बल्कि राज्य की कानून-व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द से जुड़ा बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गया है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

उत्तराखंड के देहरादून जिले के सहसपुर थाना क्षेत्र के बैरागीवाला गांव में सिंचाई के पानी को लेकर शुरू हुआ विवाद रविवार को बड़े राजनीतिक और सांप्रदायिक तनाव में बदल गया। भारतीय जनता युवा मोर्चा से जुड़े स्थानीय नेता विनोद कुमार की हत्या के बाद इलाके में भारी बवाल मच गया। घटना के विरोध में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करने लगे।पुलिस के अनुसार शनिवार शाम खेतों में सिंचाई के पानी को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था। आरोप है कि विवाद के बाद 40 से अधिक लोग लाठी, हथौड़े और अन्य हथियारों के साथ विनोद कुमार के घर पहुंचे और परिवार पर हमला कर दिया। इस हमले में विनोद कुमार की मौत हो गई, जबकि उनके परिवार के कई सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना की खबर फैलते ही गांव और आसपास के क्षेत्रों में भारी आक्रोश फैल गया। गुस्साए लोगों ने आरोपियों के घरों की ओर मार्च किया और कई स्थानों पर पथराव तथा आगजनी की घटनाएं सामने आईं। एक आरोपी के मकान और कुछ वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया और कई संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ा दी गई।राज्य की राजनीति में भी इस घटना की गूंज सुनाई देने लगी है। भाजपा नेताओं ने इसे कानून-व्यवस्था की गंभीर विफलता बताते हुए दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। उत्तराखंड के देहरादून जिले के सहसपुर थाना क्षेत्र के बैरागीवाला गांव में सिंचाई के पानी को लेकर शुरू हुआ विवाद रविवार को बड़े राजनीतिक और सांप्रदायिक तनाव में बदल गया। भारतीय जनता युवा मोर्चा से जुड़े स्थानीय नेता विनोद कुमार की हत्या के बाद इलाके में भारी बवाल मच गया। घटना के विरोध में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करने लगे।पुलिस के अनुसार शनिवार शाम खेतों में सिंचाई के पानी को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था। आरोप है कि विवाद के बाद 40 से अधिक लोग लाठी, हथौड़े और अन्य हथियारों के साथ विनोद कुमार के घर पहुंचे और परिवार पर हमला कर दिया। इस हमले में विनोद कुमार की मौत हो गई, जबकि उनके परिवार के कई सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना की खबर फैलते ही गांव और आसपास के क्षेत्रों में भारी आक्रोश फैल गया। गुस्साए लोगों ने आरोपियों के घरों की ओर मार्च किया और कई स्थानों पर पथराव तथा आगजनी की घटनाएं सामने आईं। एक आरोपी के मकान और कुछ वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया और कई संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ा दी गई।राज्य की राजनीति में भी इस घटना की गूंज सुनाई देने लगी है। भाजपा नेताओं ने इसे कानून-व्यवस्था की गंभीर विफलता बताते हुए दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह मामला केवल एक आपराधिक घटना नहीं रह गया है, बल्कि राज्य की कानून-व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द से जुड़ा बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गया है।

राहुल गांधी के बयान से INDIA गठबंधन में बढ़ी दरार, सीपीएम ने जताई कड़ी नाराजगी

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

INDIA गठबंधन के भीतर मतभेद एक बार फिर सार्वजनिक रूप से सामने आ गए हैं। इस बार विवाद कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के उस बयान को लेकर खड़ा हुआ है, जिसमें उन्होंने केरल के पूर्व मुख्यमंत्री और सीपीएम के वरिष्ठ नेता पिनाराई विजयन को गले लगाने से इनकार कर दिया। इस बयान के सामने आने के बाद कांग्रेस और वामपंथी दलों के बीच नई बहस शुरू हो गई है।विवाद की शुरुआत गठबंधन की हालिया बैठक से जुड़े एक कथित ऑडियो के सार्वजनिक होने के बाद हुई। ऑडियो में राहुल गांधी को यह कहते हुए सुना गया कि उनकी पिनाराई विजयन के साथ राजनीतिक लड़ाई है और इसलिए वे उन्हें गले नहीं लगा सकते। बयान सामने आते ही वामपंथी दलों ने तीखी प्रतिक्रिया दी और इसे गठबंधन की भावना के खिलाफ बताया।सीपीएम नेताओं का कहना है कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ एकजुटता की बात करने वाले नेताओं को सहयोगी दलों के प्रति सम्मानजनक रवैया अपनाना चाहिए। पार्टी नेताओं ने कहा कि यदि गठबंधन के प्रमुख चेहरे ही सार्वजनिक रूप से ऐसी टिप्पणियां करेंगे तो विपक्षी

एकता का संदेश कमजोर होगा।उधर कांग्रेस ने मामले को ज्यादा तूल न देने की सलाह दी है। पार्टी नेताओं का कहना है कि केरल में कांग्रेस और सीपीएम दशकों से राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं और राहुल गांधी की टिप्पणी उसी संदर्भ में थी। कांग्रेस का दावा है कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ विपक्षी एकता को लेकर पार्टी की प्रतिबद्धता पहले जैसी ही बनी हुई है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह विवाद ऐसे समय सामने आया है जब विपक्ष आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिए साझा रणनीति तैयार करने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में सहयोगी दलों के बीच बढ़ती तल्खी INDIA गठबंधन के लिए असहज स्थिति पैदा कर सकती है। आने वाले दिनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि कांग्रेस और वामपंथी दल इस विवाद को कैसे सुलझाते हैं।

तृणमूल कांग्रेस में बड़ा संगठनात्मक फेरबदल ममता बनर्जी ने कई नेताओं की जिम्मेदारियां बदलीं

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस में रविवार को बड़े संगठनात्मक बदलाव किए गए, जिसके बाद राज्य की राजनीति में नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं। पार्टी प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कई वरिष्ठ नेताओं की जिम्मेदारियों में बदलाव करते हुए संगठन को नए सिरे से मजबूत करने का संकेत दिया है।पार्टी द्वारा जारी सूची के अनुसार कई जिलों में संगठनात्मक संरचना बदली गई है और कुछ महत्वपूर्ण पदों पर नए चेहरों को मौका दिया गया है। राजनीतिक गलियारों में इसे आगामी चुनावी चुनौतियों को ध्यान में रखकर उठाया गया कदम माना जा रहा है। हाल के महीनों में पार्टी के भीतर असंतोष और गुटबाजी की खबरें भी सामने आती रही थीं।तृणमूल कांग्रेस का कहना है कि यह बदलाव पूरी तरह संगठन को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से किया गया है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने और चुनावी तैयारियों को मजबूत करने के लिए नए ढांचे की आवश्यकता थी।हालांकि विपक्ष ने इस फेरबदल को लेकर अलग दावा किया है। भाजपा

और वाम दलों का कहना है कि पार्टी के अंदर बढ़ते असंतोष को नियंत्रित करने के लिए नेतृत्व को यह कदम उठाना पड़ा है। विपक्ष का आरोप है कि कई नेताओं के बीच चल रहे मतभेद अब सार्वजनिक रूप से दिखाई देने लगे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस की संगठनात्मक स्थिति बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे में पार्टी द्वारा किया गया यह फेरबदल केवल प्रशासनिक बदलाव नहीं बल्कि एक राजनीतिक संदेश भी माना जा रहा है। आगामी महीनों में यह स्पष्ट होगा कि इन बदलावों से पार्टी को कितना लाभ मिलता है और विपक्ष इसके खिलाफ कैसी रणनीति अपनाता है।

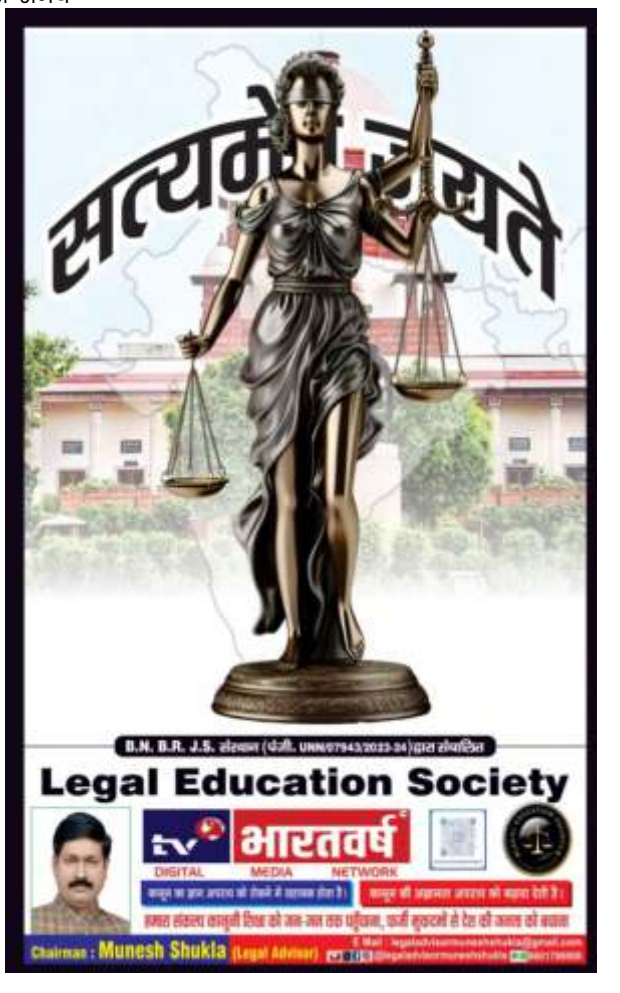

बिहार में उच्च शिक्षा का बड़ा विस्तार

200 से अधिक नए कॉलेज खोलने की तैयारी

बिहार में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाने की दिशा में राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। राज्य में उच्च शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने और ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए 200 से अधिक नए कॉलेज स्थापित करने की योजना पर तेजी से काम शुरू कर दिया गया है। सरकार का दावा है कि इस पहल से लाखों विद्यार्थियों को अपने जिले या आसपास के क्षेत्र में ही उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार राज्य के कई ऐसे प्रखंड और जिले हैं जहां उच्च शिक्षा संस्थानों की संख्या आबादी की तुलना में काफी कम है। इसके कारण विद्यार्थियों, विशेषकर छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता है। नई योजना का उद्देश्य इसी समस्या को दूर करना है। सरकार चाहती है कि हर क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण कॉलेज उपलब्ध हों ताकि आर्थिक और भौगोलिक कारणों से कोई छात्र उच्च शिक्षा से वंचित न रहे।योजना के तहत केवल नए भवनों का निर्माण ही नहीं किया जाएगा, बल्कि आधुनिक प्रयोगशालाएं, डिजिटल लाइब्रेरी, स्मार्ट कक्षाएं और तकनीकी सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। राज्य सरकार का मानना है कि केवल कॉलेजों की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार भी उतना ही आवश्यक है। इसी कारण नए संस्थानों में आधुनिक शैक्षणिक संसाधनों पर विशेष जोर दिया जा रहा है।शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि बिहार लंबे समय से उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात (GER) बढ़ाने की चुनौती का सामना कर रहा है। बड़ी संख्या में विद्यार्थी स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षा के लिए अन्य राज्यों का रुख करते हैं। यदि प्रस्तावित कॉलेज समय पर स्थापित हो जाते हैं तो इससे राज्य में उच्च शिक्षा की तस्वीर बदल सकती है।सरकार का दावा है कि यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्यों के अनुरूप है और इससे उच्च शिक्षा के अवसरों में समानता आएगी। आने वाले वर्षों में इन कॉलेजों के माध्यम से लाखों युवाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है। शिक्षा जगत में इस निर्णय को बिहार की उच्च शिक्षा व्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

री-नीट परीक्षा की तैयारियां तेज, 21 जून को दोबारा होगी परीक्षा

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने री-नीट यूजी 2026 परीक्षा की तैयारियां तेज कर दी हैं। रविवार को री-नीट परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए, जिसके बाद लाखों अभ्यर्थियों की निगाहें अब 21 जून को होने वाली परीक्षा पर टिक गई हैं। परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता को लेकर इस बार विशेष इंतजाम किए गए हैं।एनटीए के अनुसार अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट से अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। परीक्षा केंद्रों और सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर भी नए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए जाएंगे ताकि किसी प्रकार की अनियमितता की संभावना न रहे।री-नीट परीक्षा ऐसे समय आयोजित की जा रही है जब पूर्व परीक्षा की विश्वसनीयता को लेकर देशभर में बहस छिड़ी हुई है। इसी कारण केंद्र सरकार और परीक्षा एजेंसियां इस परीक्षा को पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने पर विशेष ध्यान दे रही हैं। हाल ही में कैबिनेट सचिव स्तर पर भी तैयारियों की समीक्षा की गई थी और परीक्षा संचालन से जुड़े अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए थे।एनटीए ने अभ्यर्थियों के लिए कुछ नई सुविधाओं की भी घोषणा की है। परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में सुविधा के लिए कुछ विशेष प्रबंध किए गए हैं और परीक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों को पहले से अधिक स्पष्ट बनाया गया है। साथ ही परीक्षार्थियों को समय से पहले केंद्र पहुंचने की सलाह दी गई है। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि री-नीट परीक्षा केवल एक प्रवेश परीक्षा नहीं बल्कि देश की परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता की भी परीक्षा है। ऐसे में इसके सफल और निष्पक्ष आयोजन पर लाखों छात्रों और अभिभावकों की उम्मीदें टिकी हुई हैं।

महिला टी20 वर्ल्ड कप में बनी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली भारतीय

तीरंदाजी विश्व कप में धीरज बोम्मादेवरा का डबल धमाका

भारतीय तीरंदाजी को रविवार को बड़ी सफलता मिली जब युवा तीरंदाज धीरज बोम्मादेवरा ने विश्व तीरंदाजी कप के तीसरे चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक ही दिन में दो स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिए। धीरज ने पहले मिश्रित टीम स्पर्धा में भारत को स्वर्ण पदक दिलाया और इसके कुछ घंटे बाद पुरुष रिकर्व व्यक्तिगत वर्ग में भी स्वर्ण जीतकर इतिहास रच दिया।पुरुष रिकर्व फाइनल में धीरज का मुकाबला दक्षिण कोरिया के स्टार तीरंदाज ली वू सियोक से हुआ, जिन्हें पेरिस ओलंपिक पदक विजेता माना जाता है। भारतीय खिलाड़ी ने शुरुआत से ही आत्मविश्वास भरा प्रदर्शन किया और 7-3 के अंतर से मुकाबला जीत लिया। धीरज ने दबाव के क्षणों में सटीक निशाने लगाकर अपनी श्रेष्ठता साबित की।इससे पहले मिश्रित टीम स्पर्धा में धीरज और कुमकुम मोहोड़ की भारतीय जोड़ी ने शानदार तालमेल दिखाते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। पूरे टूर्नामेंट में भारतीय जोड़ी ने लगातार बेहतर प्रदर्शन किया और फाइनल में भी प्रतिद्वंद्वी टीम को कोई मौका नहीं दिया।धीरज की इस उपलब्धि को भारतीय तीरंदाजी के लिए बड़ी सफलता माना जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय तीरंदाज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और यह जीत उसी कड़ी का महत्वपूर्ण हिस्सा है। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि धीरज का वर्तमान फॉर्म आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत की पदक संभावनाओं को मजबूत करेगा। भारतीय तीरंदाजी संघ ने धीरज और कुमकुम को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि देश के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी। एक ही दिन में दो स्वर्ण पदक जीतकर धीरज ने साबित कर दिया है कि वे विश्व तीरंदाजी के उभरते हुए सितारों में शामिल हो चुके हैं।

महिला टी-20 विश्व कप में भारत ने पाकिस्तान को 64 रन से रौंदा

महिला टी-20 विश्व कप में भारत ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 64 रन से करारी शिकस्त दी। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में भारतीय टीम का दबदबा देखने को मिला। स्मृति मंधाना की आक्रामक अर्धशतकीय पारी और दीप्ति शर्मा की घातक गेंदबाजी भारत की जीत के मुख्य आधार रहे।टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट पर 170 रन बनाए। स्मृति मंधाना ने 44 गेंदों में 68 रन की शानदार पारी खेली। उनके अलावा ऋचा घोष ने अंतिम ओवरों में तेज बल्लेबाजी करते हुए 17 गेंदों पर 34 रन बनाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।।171 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की टीम शुरुआत से ही दबाव में दिखाई दी। मुनीबा अली ने कुछ संघर्ष जरूर किया, लेकिन भारतीय गेंदबाजों के सामने पाकिस्तान की बल्लेबाजी टिक नहीं सकी। नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे और पूरी टीम 105 रन पर सिमट गई।भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट हासिल किए। उन्होंने एक ही ओवर में तीन विकेट लेकर पाकिस्तान की उम्मीदों को पूरी तरह खत्म कर दिया। श्री चरणी ने भी तीन विकेट लेकर उनका अच्छा साथ दिया।इस जीत के साथ भारत ने टूर्नामेंट में मजबूत शुरुआत की है। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टीम के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने योजना के अनुसार खेल दिखाया। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि यदि भारतीय टीम इसी लय को बनाए रखती है तो वह खिताब की प्रबल दावेदार बन सकती है।

कॉमनवेल्थ खेलों के लिए नीरज चोपड़ा की वापसी

भारतीय एथलेटिक्स को रविवार को बड़ी राहत मिली जब स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को आगामी कॉमनवेल्थ खेल 2026 की संभावित टीम में शामिल किए जाने की पुष्टि हुई। हाल के दिनों में चोट से जूझ रहे नीरज की वापसी की खबर से खेल प्रेमियों और एथलेटिक्स जगत में उत्साह का माहौल है।भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के चयन समिति अध्यक्ष ने बताया कि नीरज अब फिट हैं और अगले कुछ दिनों में प्रतिस्पर्धी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं। उन्होंने स्वयं चयनकर्ताओं से संपर्क कर अपनी उपलब्धता की जानकारी दी है। इसके बाद उन्हें कॉमनवेल्थ खेलों की संभावित टीम में शामिल किया गया।पिछले कुछ महीनों में चोट के कारण नीरज कई महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं से दूर रहे थे। उनकी अनुपस्थिति भारतीय एथलेटिक्स के लिए चिंता का विषय बनी हुई थी। हालांकि अब उनकी वापसी ने भारतीय दल की पदक उम्मीदों को नई मजबूती प्रदान की है।ओलंपिक और विश्व स्तर पर भारत का नाम रोशन कर चुके नीरज चोपड़ा देश के सबसे सफल एथलीटों में गिने जाते हैं। उनकी मौजूदगी न केवल भारतीय टीम का मनोबल बढ़ाती है, बल्कि युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरणा देती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि नीरज पूरी फिटनेस के साथ मैदान पर लौटते हैं तो वे एक बार फिर बड़े मंच पर पदक जीतने में सफल हो सकते हैं।भारतीय खेल प्रशंसकों की निगाहें अब नीरज के आगामी प्रदर्शन पर टिकी हैं। आने वाले दिनों में उनकी प्रतियोगिताओं में वापसी यह तय करेगी कि वे कॉमनवेल्थ खेलों में किस स्तर की तैयारी के साथ उतरेंगे। फिलहाल उनकी वापसी की खबर भारतीय खेल जगत के लिए किसी बड़ी उपलब्धि से कम नहीं मानी जा रही है।

सलाखों के पीछे घुटती प्राइवेसी

जेलों में महिला कैदियों का अदृश्य दर्द

म्यांमार की जेलों में ऐसी हजारों महिलाएं बंद हैं, जिनके बारे में उनके परिवार को पता भी नहीं है कि वह जिंदा है या मर गई. उन्हें हर रोज सलाखों के पीछे अपमान सहना पड़ता है. उनके निजी पलों के वीडियो बनाए जाते हैं और उन्हें मानसिक तौर से उसके जरिए तोड़ने की कोशिश की जाती है.

कल्पना कीजिए कि आप अपने देश में लोकतंत्र की मांग को लेकर प्रदर्शन करें और फिर अचानक गायब हो जाएं. आपके परिवार को महीनों तक यह भी पता न चले कि आप जिंदा हैं या नहीं.

जेल में आपको लगातार डर, अपमान और हिंसा का सामना करना पड़े. म्यांमार की हजारों महिला राजनीतिक कैदियों की कहानी कुछ ऐसी ही है. 2021 में सेना द्वारा सत्ता पर कब्जा किए जाने के बाद म्यांमार में लोकतंत्र समर्थक आंदोलन शुरू हुआ था. इसके बाद हजारों प्रदर्शनकारियों, छात्रों, पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया गया. मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि इनमें बड़ी संख्या महिलाओं की भी है.

ऐसी ही एक युवती थाजिन (बदला हुआ नाम) की कहानी सामने आई है. वह एक छात्रा और लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ता थीं. 2021 में एक प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों ने भीड़ को तितर-बितर किया. उस अफरातफरी में लोगों को लगा कि थाजिन की मौत हो गई है, लेकिन वास्तव में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था. द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, थाजिन का आरोप है कि गिरफ्तारी के बाद उनसे पूछताछ के दौरान मारपीट की गई, अपमानित किया गया और कई तरह की प्रताड़ना झेलनी पड़ी. इसके बाद वह लगभग तीन साल तक म्यांमार की अलग-अलग जेलों में बंद रहीं. ⊙

सत्ता बदली, लेकिन हालात नहीं?

म्यांमार में हाल के वर्षों में कुछ राजनीतिक बदलाव और कैदियों की रिहाई जरूर हुई है, लेकिन मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि जेलों के भीतर हालात में बहुत ज्यादा सुधार नहीं आया है.पूर्व कैदियों का कहना है कि आज भी हजारों लोग जेलों में बंद हैं और उनकी आवाज दुनिया तक नहीं पहुंच पाती. म्यांमार की इन महिलाओं की कहानी सिर्फ राजनीतिक कैदियों तक सीमित नहीं है. ⊙

20 लाख का पैकेज, फिर भी नहीं किया जॉइन, ये थी वजह?

नौकरी की तलाश कर रहे लोगों के लिए सैलरी सबसे महत्वपूर्ण बातों में से एक होती है. लेकिन कई बार कंपनियां नौकरी के विज्ञापन में वेतन का जिक्र नहीं करतीं. इससे उम्मीदवार और कंपनी दोनों का समय बर्बाद हो सकता है. हाल ही में ऐसा ही एक मामला सामने आया, जिसने सोशल मीडिया पर सैलरी ट्रांसपेरेंसी को लेकर नई बहस छेड़ दी. यह मामला एक स्टार्टअप कंपनी के फाउंडर अभिषेक अग्रवाल से जुड़ा है. ⊙

लोग बोले- ये तो कछुआ छाप है

फ्रांसीसी ब्रांड ने बेची मच्छर की कॉइल जैसी अगरबत्ती

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक फ्रांसीसी लग्जरी ब्रांड का नया प्रोडक्ट खूब चर्चा में है. वजह उसकी खुशबू नहीं, बल्कि उसका लुक है. इंटरनेट पर लोग इस महंगे प्रोडक्ट को देखकर कह रहे हैं- अरे, ये तो भारत की कछुआ छाप मच्छर अगरबत्ती जैसी दिख रही है! दरअसल, फ्रांस के मशहूर लग्जरी फ्रेगरेंस ब्रांड Diptyque ने अपने समर कलेक्शन में एक नया प्रोडक्ट लॉन्च किया है, जिसे कंपनी 'सेंटेड स्पाइरल' यानी खुशबूदार कुंडलीनुमा अगरबत्ती बता रही है.

लेकिन भारतीय सोशल मीडिया यूजर्स को इसमें मच्छर भगाने वाली कॉइल की झलक दिखाई दे रही है. ब्रांड की वेबसाइट

के मुताबिक, इस सेंटेड स्पाइरल की कीमत 68 डॉलर (करीब 6,500 रुपये) है. वहीं अगर ग्राहक इसके साथ आने वाला खास स्टैंड भी खरीदना चाहता है तो उसे 183 डॉलर (करीब 17,500 रुपये) खर्च करने होंगे.यानी जिस चीज को देखकर भारतीयों को 40-50 रुपये वाली मच्छर कॉइल याद आ रही है. उसका 'लग्जरी वर्जन' हजारों रुपये में बेचा जा रहा है. ⊙

लोगों ने कहा- उम्र नहीं, हौसले मायने रखते हैं

73 की उम्र में पूरा किया उड़ने का सपना!

आज के समय में जहां कई लोग बढ़ती उम्र के साथ अपने सपनों को छोड़ देते हैं, वहीं 73 साल की एक महिला ने ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जिसने लाखों लोगों को प्रेरित कर दिया. इस बुजुर्ग महिला ने पहली बार स्काईडाइविंग की और साबित कर दिया कि अगर मन में जुनून हो तो उम्र कभी भी किसी सपने के बीच नहीं आ सकती.

उनकी इस रोमांचक यात्रा का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग उनकी हिम्मत की जमकर तारीफ कर रहे हैं. यह मोटिवेशनल वीडियो इंस्टाग्राम यूजर रूपाली जनबंधु ने शेयर किया है. वीडियो के साथ उन्होंने लिखा- 73 साल की उम्र में भी उड़ने के लिए फिट. वीडियो

में देख सकते हैं कि बुजुर्ग महिला अपनी बेटी के साथ स्काईडाइविंग का एक वीडियो देख रही होती हैं. वीडियो देखते-देखते उनके मन में भी इसे करने की इच्छा जाग जाती है. उत्साहित होकर वह अपनी बेटी से पूछती हैं कि क्या वह भी कभी स्काईडाइविंग कर सकती हैं. उनकी यह छोटी सी इच्छा बेटी के दिल को छू जाती है. बेटी अपनी मां का सपना पूरा करने का फैसला करती है और उन्हें स्काईडाइविंग का अनुभव उपहार में देती है. इसके बाद शुरू होती है एक ऐसी यात्रा, जिसे देखकर हर कोई भावुक हो जाता है. वीडियो में महिला को स्काईडाइविंग के लिए तैयार होते हुए देखा जा सकता है. उन्होंने सेफ्टी इक्विपमेंट्स पहने हुए हैं और एक्सपर्ट की मदद से फ्लाइट में चढ़ती हैं. ⊙

'काला हिरण' फिल्म को लेकर बढ़ा विवाद

गोविंद नामदेव ने निर्माताओं पर लगाए गंभीर आरोप

अभिनेता सलमान खान से जुड़े कथित 'ब्लैकबक केस' की पृष्ठभूमि पर आधारित बताई जा रही फिल्म 'काला हिरण: द बैटल फॉर लेगेसी' को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। फिल्म में अहम भूमिका निभाने वाले वरिष्ठ अभिनेता गोविंद नामदेव ने निर्माताओं पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उन्हें फिल्म की वास्तविक कहानी के बारे में पूरी जानकारी नहीं दी गई थी। ट्रेलर देखने के बाद वह खुद हैरान रह गए।गोविंद नामदेव ने एक बयान में कहा कि जब उन्हें फिल्म की पेशकश की गई थी, तब उन्हें केवल कोर्ट रूम ड्रामा और न्यायिक प्रक्रिया से जुड़ी कहानी बताई गई थी। लेकिन हाल ही में जारी ट्रेलर देखने के बाद उन्हें पता चला कि फिल्म में कई ऐसे संदर्भ शामिल हैं जिन्हें दर्शक सीधे तौर पर सलमान खान के चर्चित काले हिरण शिकार मामले से जोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ट्रेलर देखकर वह "हिल गए" और उन्हें लगा कि उन्हें पूरी सच्चाई नहीं बताई गई थी।विवाद उस समय और बढ़ गया जब अभिनेता सलमान खान ने फिल्म के निर्माताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया है कि फिल्म उनके व्यक्तित्व अधिकारों का उल्लंघन करती है और उनकी छवि को नुकसान पहुंचा सकती है। अदालत ने मामले में नोटिस जारी करते हुए अगली सुनवाई 19 जून को निर्धारित की है।फिल्म के ट्रेलर में दिखाई गई कुछ घटनाओं, एक विशेष ब्रेसलेट और अन्य प्रतीकों को लेकर सोशल मीडिया पर भी व्यापक चर्चा हो रही है। कई दर्शकों का मानना है कि फिल्म वास्तविक घटनाओं से प्रेरित है, जबकि निर्माता लगातार यह दावा कर रहे हैं कि यह किसी व्यक्ति की जीवनी नहीं है।फिलहाल मामला अदालत में है और फिल्म की रिलीज को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। मनोरंजन जगत की नजरें अब 19 जून को होने वा सुनवाई पर टिकी हैं, जहां इस बहुचर्चित विवाद की दि तय हो सकती है।

"7 साल से तैयारी कर रहे, अब हर फॉर्म भर देते हैं"

इको गार्डन में छलका प्रतियोगी छात्रों का दर्द

लखनऊ के इको गार्डन में हजारों प्रतियोगी छात्रों ने पेपर लीक, भर्ती में देरी और अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने निष्पक्ष परीक्षाओं, समयबद्ध भर्ती और जवाबदेही की मांग उठाई।

लखनऊ, 14 जून। उत्तर प्रदेश की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, पेपर लीक और भर्ती प्रक्रिया में देरी के विरोध में राजधानी लखनऊ के इको गार्डन में जुटे हजारों अभ्यर्थियों का दर्द रविवार को खुलकर सामने आया। ऑनलाइन शिक्षण मंच 'एग्जामपुर' के संस्थापक विवेक कुमार के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए करीब छह हजार छात्रों ने हिस्सा लिया। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने यूपीएसआई का स्कोर कार्ड जारी करने, लेखपाल भर्ती परीक्षा का पुनः आयोजन कराने और भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग उठाई।प्रदर्शन में शामिल संत कबीर नगर के अभ्यर्थी शिवम ने कहा कि छात्र कभी नहीं चाहते कि उन्हें पढ़ाई छोड़कर धरना-प्रदर्शन करना पड़े, लेकिन जब परीक्षाओं में अनियमितताएं और धांधली सामने आती हैं तो मजबूरी में सड़क पर उतरना पड़ता है। उन्होंने कहा कि एक प्रतियोगी छात्र पहले भर्ती निकलने का इंतजार करता है, फिर परीक्षा तिथि के लिए संघर्ष करता है और परीक्षा होने के बाद उसकी निष्पक्षता को लेकर लड़ाई लड़ता है। इससे युवाओं के जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष बर्बाद हो जाते हैं।प्रयागराज, गोंडा, संत कबीर नगर और अन्य जिलों से आए अभ्यर्थियों ने बताया कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी केवल शैक्षणिक चुनौती नहीं बल्कि आर्थिक और मानसिक संघर्ष भी है। कई छात्रों ने कहा कि सीमित संसाधनों में रहकर वे कोचिंग, किराया, लाइब्रेरी और फॉर्म फीस का खर्च उठाते हैं। कई बार भोजन तक छोड़ना पड़ता है, लेकिन घरवालों को यह नहीं बताते ताकि वे चिंतित न हों। प्रदर्शन में शामिल अभ्यर्थी बृजेश ने कहा कि वह पिछले सात वर्षों से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले उनका लक्ष्य यूपीएससी था, लेकिन अब वे लगभग हर भर्ती का फॉर्म भरते हैं क्योंकि नियुक्तियों और परीक्षाओं की स्थिति अनिश्चित बनी हुई है। उन्होंने कहा कि बार-बार परीक्षा रद्द होने और परिणामों में देरी से युवाओं का आत्मविश्वास प्रभावित हो रहा है। परिवार और समाज के सवालों का जवाब देना भी कठिन होता जा रहा है। गोंडा से आए नीट अभ्यर्थी रजनीश ने कहा कि केवल दोबारा परीक्षा कराना किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। उनके अनुसार असली जरूरत परीक्षा प्रणाली को सुरक्षित और पारदर्शी बनाने की है, ताकि मेहनत करने वाले छात्रों का भविष्य प्रभावित न हो।प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने कहा कि भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता, समयबद्ध परिणाम और जवाबदेही सुनिश्चित करना सरकार और संबंधित आयोगों की जिम्मेदारी है। छात्रों का कहना था कि उनका उद्देश्य राजनीति नहीं बल्कि रोजगार और निष्पक्ष अवसर प्राप्त करना है। प्रदर्शन के अंत में अभ्यर्थियों ने अपनी मांगों को लेकर सरकार से शीघ्र कार्रवाई की अपील की।

RTE से एडमिशन में 35 स्कूल मनमाने काम कर रहे

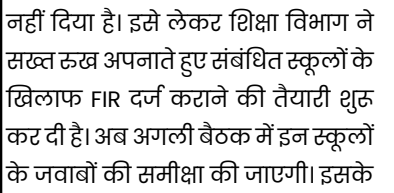

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (BSA) विपिन कुमार ने बताया कि RTE के तहत चयनित बच्चों को प्रवेश दिलाने के लिए लगातार बैठकें और नोटिस जारी किए जा रहे हैं। पहले ऐसे विद्यालयों की संख्या 90 से अधिक थी, लेकिन विभागीय दबाव के बाद 60 से ज्यादा स्कूलों ने बच्चों को प्रवेश दे दिया। इसके बावजूद 35 स्कूल अब भी नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। लखनऊ में शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम के तहत चयनित बच्चों को प्रवेश देने में कई निजी स्कूल अब भी मनमानी कर रहे हैं। सिटी मॉन्टेसरी स्कूल (CMS), बाल गाइड स्कूल, सेंट मेरी स्कूल और LPS समेत 35 विद्यालयों ने अभी तक चयनित बच्चों को दाखिला नहीं दिया है। इसे लेकर शिक्षा विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए संबंधित स्कूलों के खिलाफ FIR दर्ज कराने की तैयारी शुरू कर दी है। अब अगली बैठक में इन स्कूलों के जवाबों की समीक्षा की जाएगी। इसके बाद कार्रवाई पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। शिक्षा विभाग का कहना है कि यदि स्कूलों ने जल्द प्रवेश नहीं दिया तो उनके खिलाफ FIR सहित अन्य कानूनी कार्रवाई की जाएगी। RTE के तहत चयनित बच्चों के अभिभावक लगातार स्कूलों के चक्कर काट रहे हैं। उनका कहना है कि प्रवेश प्रक्रिया में देरी से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसी भी स्थिति में पात्र बच्चों के प्रवेश के अधिकार से समझौता नहीं किया जाएगा।

लखनऊ में ट्रेन की पटरी पर रखा 50 किलो लोहा

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में एक बार फिर ट्रेन को पटरी से उतारने की साजिश का मामला सामने आया है। कैंट क्षेत्र के दिलकुशा ब्लॉक हट के पास रेलवे ट्रैक पर 50 किलो वजनी लोहे का एंगल रख दिया गया। अमृतसर से हावड़ा जा रही पंजाब मेल जब लखनऊ से गुजरी तो दिलकुशा के पास उसके इंजन के नीचे लोहा फंस गया। लोको पायलट ने समय रहते इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे की है। वरिष्ठ खंड अभियंता (रेलपथ) राजकिशोर मिश्र के मुताबिक, ट्रेन संख्या 13006 पंजाब मेल दिलकुशा ब्लॉक हट के पास पहुंची थी, तभी लोको पायलट की नजर ट्रैक पर रखे भारी लोहे के एंगल पर पड़ी। ट्रेन की रफ्तार कम होने के बावजूद इंजन एंगल से टकरा गया और वह इंजन में फंस गया। सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारी और आरपीएफ मौके पर पहुंचे तथा एंगल को हटाकर कब्जे में लिया। राजकिशोर मिश्र की लिखित शिकायत पर कैंट थाने में रेलवे अधिनियम की धारा 151 और 153 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस और सर्विलांस टीम आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। कैंट थाना प्रभारी गुरप्रीत कौर ने बताया कि

घटना की हर पहलू से जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में पुलिस इसे शरारती तत्वों या नशेड़ियों की हरकत मान रही है, लेकिन किसी बड़ी साजिश की आशंका को देखते हुए खुफिया एजेंसियों को भी अलर्ट कर दिया गया है। रेलवे और पुलिस की संयुक्त टीमें मामले की जांच में जुटी हैं।

लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में बड़ा फेरबदल,

तीन एसीपी के कार्यक्षेत्र बदले

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ में रविवार को तीन राजपत्रित पुलिस अधिकारियों की नई तैनाती के आदेश जारी किया गया। जारी आदेश के तहत एसीपी रजनीश वर्मा, अभिषेक कुमार पांडेय और उदय प्रताप सिंह के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। अब तक कृष्णानगर के सहायक पुलिस आयुक्त के रूप में तैनात रजनीश वर्मा को नई जिम्मेदारी देते हुए एसीपी हजरतगंज बनाया गया है। राजधानी के सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील क्षेत्रों में शामिल हजरतगंज जोन की कमान अब उनके हाथों में होगी। कानपुर नगर से लखनऊ आए सहायक पुलिस आयुक्त के पद पर तैनात अभिषेक कुमार पांडेय को कृष्णानगर का एसीपी नियुक्त किया गया है। वे रजनीश वर्मा का स्थान लेंगे। सहायक पुलिस आयुक्त के पद पर तैनात उदय प्रताप सिंह को यातायात विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें एसीपी ट्रैफिक बनाया गया है। राजधानी में बढ़ते यातायात दबाव और व्यवस्थाओं के बीच उनकी भूमिका महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

लखनऊ में युवक का शव रेलवे पटरी पर मिला

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के गोमती नगर थानाक्षेत्र में एक युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। शनिवार रात घर से काम की बात कह कर निकाला था। इसके बाद हादसे का शिकार हो गया। युवक की मां ने हत्या की आशंका जताते हुए गोमती नगर थाने में तहरीर दी है। बड़ी जुगौली गोमती नगर निवासी बनसल बाबू पुत्र रमेश कुमार लकड़ी पॉलिश का काम करता था। मां मुन्नी देवी ने बताया शनिवार रात करीब 10 घर से निकला था। इसके बाद कुछ अज्ञात लोगों ने उसकी हत्या कर ट्रैक पर फेंक दिया। मां ने वीरेंद्र यादव, गोपी यादव और विनय यादव पर हत्या करने की आशंका जताई है। उनका कहना है यह तीनों बेटे को लगातार धमकी दे रहे थे। कई बार घर आते समय रास्ते में रोककर जान से मारने की बात कही थी। हत्या की आशंका जताते हुए गोमतीनगर थाने में तीनों युवकों के खिलाफ नामजद शिकायत दर्ज कराई है। मामले में इंस्पेक्टर गोमती नगर बृजेश चंद्र तिवारी का कहना है मृतक की मां की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस जांच में चेक किए गए सीसीटीवी में युवक अकेले जाते हुए दिखाई दे रहा है। रेलवे प्रशासन से पूछताछ में भी ट्रेन के आगे कूदने की बात सामने आई है। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

पेपर लीक के विरोध में NSUI का प्रदर्शन

पुलिस से झड़प; एक कार्यकर्ता बेहोश

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में रविवार को पेपर लीक के मुद्दे को लेकर प्रदर्शन कर रहे नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी झड़प हो गई। प्रदर्शन के दौरान एक कार्यकर्ता के बेहोश होने से माहौल और तनावपूर्ण हो गया। एनएसयूआई ने आरोप लगाया कि पुलिस की लाठी लगने से कार्यकर्ता घायल हुआ, जबकि पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई किए जाने की बात कही है।एनएसयूआई कार्यकर्ता पेपर लीक और भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में जनभवन का घेराव करने जा रहे थे। प्रशासन ने प्रदर्शन को देखते हुए कांग्रेस कार्यालय के बाहर ही सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। पुलिस ने चार स्तर की बैरिकेडिंग लगाकर प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोक दिया। इसके बावजूद बड़ी संख्या में कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़ गए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई, जो देखते ही देखते झड़प में बदल गई। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं का आरोप है कि पुलिस ने बल प्रयोग किया, जिससे एक कार्यकर्ता के सिर पर चोट लगी

और वह मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़ा। बाद में उसके साथियों ने उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। प्रदर्शन का नेतृत्व एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शन शुरू होने से पहले ही कई कार्यकर्ताओं को नजरबंद कर दिया गया था और उनके ठहरने वाले होटल के बाहर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया था। जाखड़ ने कहा कि सरकार छात्रों की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है और पेपर लीक मामलों में शामिल लोगों को संरक्षण दिया जा रहा है।झड़प के बाद पुलिस ने अधिकांश प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर बसों के माध्यम से इको गार्डन भेज दिया। घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई। इस घटनाक्रम को लेकर प्रदेश की राजनीति भी गरमा गई है और विपक्ष ने सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं।

उन्नाव में विकास कार्यों की समीक्षा

प्रभारी मंत्री रजनी तिवारी ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव, 14 जून। उत्तर प्रदेश सरकार की उच्च शिक्षा राज्यमंत्री एवं उन्नाव जिले की प्रभारी मंत्री रजनी तिवारी ने रविवार को विकास भवन सभागार में जिले में चल रहे विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा बैठक की। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली गई तथा लंबित कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान सांसद डॉ. स्वामी सच्चिदानंद हरि साक्षी महाराज, भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग त्रिवेदी, जिलाधिकारी घनश्याम मीणा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।बैठक के दौरान प्रभारी मंत्री ने जिले में संचालित विकास परियोजनाओं, बुनियादी ढांचे से जुड़े कार्यों, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क निर्माण तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखते हुए उन्हें निर्धारित समय सीमा में पूरा करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।रजनी तिवारी ने अधिकारियों से विभिन्न योजनाओं की जमीनी स्थिति की जानकारी भी ली और कहा कि जनता को सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के मिलना चाहिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करने तथा शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रभारी मंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को "कॉम्प्रोमाइज पीएम" बताया था। रजनी तिवारी ने कहा कि राहुल गांधी के बयानों को अब देश की जनता गंभीरता से नहीं लेती। उन्होंने कहा कि जनता विकास कार्यों और सरकार के प्रदर्शन के आधार पर अपना निर्णय करती है, न कि राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के आधार पर।उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार लगातार विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही हैं तथा देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सरकार का उद्देश्य केवल राजनीतिक लाभ प्राप्त करना नहीं, बल्कि जनता के जीवन स्तर में सुधार लाना है। उन्होंने कहा कि सरकार "सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास" के सिद्धांत पर काम कर रही है और इसी सोच के साथ विभिन्न योजनाओं को लागू किया जा रहा है। राहुल गांधी के आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव लड़ने की संभावनाओं को लेकर पूछे गए प्रश्न पर रजनी तिवारी ने कहा कि लोकतंत्र में हर नागरिक को चुनाव लड़ने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति जनता के बीच जाकर अपनी बात रख सकता है और चुनावी प्रक्रिया में भाग ले सकता है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इस विषय पर अंतिम और बेहतर जवाब वही दे सकते हैं जो चुनाव लड़ने की चर्चा में हैं। प्रभारी मंत्री ने विश्वास जताया कि सरकार की विकास योजनाएं और जनहितकारी नीतियां जनता के बीच सकारात्मक प्रभाव छोड़ रही हैं तथा आने वाले

पुरवा तहसील में सरकारी भूमि पर बड़ा अतिक्रमण हटाओ अभियान

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में पुलिस विभाग के लिए आरक्षित भूमि पर अवैध कब्जे के प्रयास का मामला सामने आया है। भूमाफियाओं ने मरहला चौराहा स्थित जमीन पर नौ पिलर लगाकर कब्जा करने की कोशिश की, लेकिन सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सभी पिलरों को हटवा दिया। जानकारी के अनुसार, मरहला चौराहा स्थित गाटा संख्या 65 की करीब नौ बिस्वा भूमि पुलिस विभाग को बैरक और हॉस्टल निर्माण के लिए आवंटित की गई है। इस भूमि पर पुलिस विभाग की ओर से सूचना बोर्ड भी लगाया गया है, जिसमें जमीन के आरक्षित होने की जानकारी दर्ज है। पुलिस विभाग की भूमि पर अवैध निर्माण और कब्जे की सूचना मिलते ही अधिकारियों में हड़कंप मच गया। गंगाघाट कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अजय सिंह के निर्देश पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और अवैध रूप से लगाए गए सभी नौ पिलरों को हटवा दिया। कार्रवाई के दौरान पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई। पुलिस विभाग की भूमि पर अवैध निर्माण और कब्जे की सूचना मिलते ही अधिकारियों में हड़कंप मच गया। गंगाघाट कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अजय सिंह के निर्देश पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और अवैध रूप से लगाए गए सभी नौ पिलरों को हटवा दिया। कार्रवाई के दौरान पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई। लेखपाल आशू श्रीवास्तव ने बताया कि संबंधित भूमि पुलिस बैरक और हॉस्टल निर्माण के लिए उपलब्ध कराई गई है। यदि किसी व्यक्ति द्वारा उस पर कब्जे का प्रयास किया गया है तो यह पूरी तरह अवैध है। मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

उन्नाव में खेल मैदान की जमीन से हटाया गया अवैध निर्माण

टीवी भारतवर्ष हाथरस

उन्नाव जिले के माखी थाना क्षेत्र के इंसुनिया गांव में रविवार को जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खेलकूद के मैदान की भूमि पर बने अवैध निर्माण को ध्वस्त करा दिया। भारी पुलिस बल और राजस्व विभाग की टीम की मौजूदगी में न्यायालय के आदेश का पालन कराते हुए प्रशासन ने कब्जा हटाने की कार्रवाई पूरी की। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, ग्राम इंसुनिया स्थित गाटा संख्या 122 की भूमि खेलकूद के मैदान के लिए दर्ज है। इस भूमि का रकबा करीब 0.835 हेक्टेयर है। इसी जमीन पर अवैध रूप से मदरसा संचालित होने की बात सामने आई थी। ग्रामीणों की शिकायत के बाद मामला राजस्व न्यायालय पहुंचा, जहां सुनवाई के बाद बेदखली का आदेश जारी किया गया था। रविवार को तहसील प्रशासन, पुलिस विभाग और राजस्व टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने पहले से जारी आदेश और नोटिस के आधार पर अवैध निर्माण हटाने की प्रक्रिया शुरू की। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। कार्रवाई के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति न हो, इसके लिए अधिकारी लगातार मौके पर मौजूद रहे। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि यह मामला वर्ष 2018 में संज्ञान में आया था। इसके बाद राजस्व न्यायालय में प्रक्रिया शुरू हुई और बेदखली की कार्रवाई सुनिश्चित की गई। अधिकारियों के मुताबिक, कब्जा हटाने के लिए संबंधित पक्ष को 3 जून को नोटिस तामील कराया गया था। इसके बाद प्रशासन की ओर से एक बार फिर प्रयास किया गया कि लोग स्वयं कब्जा हटा लें और कार्रवाई शांतिपूर्ण तरीके से पूरी हो जाए। लेकिन निर्धारित समय बीतने के बाद भी कब्जा नहीं हटाया गया, जिसके चलते रविवार को पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में बलपूर्वक अवैध निर्माण हटा दिया गया। इस कार्रवाई से पहले शनिवार को बजरंग दल के करीब 8 से 10 कार्यकर्ता इंसुनिया गांव पहुंचे थे। उन्होंने खेल मैदान की भूमि पर बने अवैध निर्माण को हटाने की मांग की थी। कार्यकर्ताओं के पहुंचने के बाद कुछ समय के लिए मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बन गई थी। सूचना मिलते ही उपजिलाधिकारी सफीपुर, क्षेत्राधिकारी सफीपुर और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए थे। अधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से बातचीत कर उन्हें शांत कराया और मौके से हटाते हुए शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की थी। इसके बाद प्रशासन ने रविवार को निर्धारित प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की।

कांग्रेस केप्रतिनिधिमंडल ने परिजनों से मुलाकात कर गहरा शोक व्यक्त किया

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के बांगरमऊ में संत मिलन दास की निर्मम हत्या के बाद रविवार को कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने उनके परिजनों से मुलाकात कर गहरा शोक व्यक्त किया। प्रतिनिधिमंडल ने परिवार को सांत्वना देते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में कांग्रेस पार्टी उनके साथ खड़ी है। इसके बाद नेताओं ने संत मिलन दास की समाधि पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। कांग्रेस नेताओं ने घटना की निंदा करते हुए प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा हत्या में शामिल सभी आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि दोषियों को कानून के अनुसार कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। प्रतिनिधिमंडल ने नगरवासियों से शांति, सौहार्द और भाईचारा बनाए रखने की अपील की। नेताओं ने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें। उनका कहना था कि संत मिलन दास समाज में धार्मिक और सामाजिक समरसता के प्रतीक थे, इसलिए उनकी स्मृति में समाज को एकजुट रहना चाहिए। पूर्व जिला अध्यक्ष एवं पूर्व प्रत्याशी आरती बाजपेई ने कहा कि संत मिलन दास का राम-जानकी मंदिर निर्माण का सपना अधूरा नहीं रहने दिया जाएगा। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने मंदिर निर्माण के कार्य में तन, मन और धन से सहयोग देने का आश्वासन भी दिया। प्रतिनिधिमंडल में सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता विदुषी वाजपेई, नगर अध्यक्ष इकबाल खान, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष पप्पू द्विवेदी, वंश गोपाल मिश्रा, अनुज द्विवेदी, बबलू यादव तथा संतोष यादव सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तेज रफ्तार कंटेनर ने बाइक सवार परिवार को मारी टक्कर

टीवी भारतवर्ष हाथरस

उन्नाव में गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के कानपुर-लखनऊ मार्ग पर रविवार दोपहर एक सड़क हादसे में बाइक सवार महिला की मौत हो गई। इस घटना में महिला का पति और उनके दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा उन्नाव से कानपुर की ओर जाते समय त्रिभुवन खेड़ा के पास हुआ, जब पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार कंटेनर ने बाइक को टक्कर मार दी। मृतका की पहचान 28 वर्षीय प्रज्ञा पांडे, पत्नी नीलेश मिश्रा, निवासी रायपुरवा, अनवरगंज, कानपुर के रूप में हुई है। बताया गया कि प्रज्ञा अपने पति और बच्चों के साथ बाइक से यात्रा कर रही थीं। त्रिभुवन खेड़ा के निकट कंटेनर की टक्कर से बाइक सवार सभी लोग सड़क पर गिर गए। हादसे में प्रज्ञा पांडे को गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। उनके पति नीलेश मिश्रा और दोनों बच्चे घायल हो गए। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। घायलों को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई। पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर आगे की आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे के कारण कुछ देर के लिए मार्ग पर यातायात भी प्रभावित रहा। प्रज्ञा पांडे का मायका उन्नाव के पीतांबरा नगर में है। जाजमऊ चौकी इंचार्ज विनोद सिंह ने बताया कि सड़क हादसे में एक महिला की मौत हुई है। पुलिस कंटेनर और उसके चालक के संबंध में जानकारी एकत्र कर रही है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चकरोड निर्माण की गुणवत्ता पर बवाल, ग्रामीणों और ठेकेदार में मारपीट

उन्नाव के सदर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सुल्तानखेड़ा में सरकारी चकरोड निर्माण की गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों और ठेकेदार के बीच विवाद हो गया। इस दौरान हुई कहासुनी और मारपीट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, रविवार दोपहर गांव में चकरोड का निर्माण कार्य चल रहा था। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप नहीं हो रहा है। इसी बात को लेकर गांव के महेंद्र यादव, प्रदीप यादव और कुछ अन्य ग्रामीणों की सरकारी ठेकेदार से बहस हो गई। विवाद बढ़ने पर मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव किया। सरकारी ठेकेदार और एक पार्षद ने ग्रामीणों को समझाकर शांत कराया और चकरोड का निर्माण सही तरीके से कराने का आश्वासन दिया। इसके बाद मामला शांत हो गया था। इसी दौरान हुई कहासुनी और मारपीट का वीडियो किसी ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने तुरंत मामले का संज्ञान लिया और जांच शुरू कर दी है। चौकी इंचार्ज रवि पांडे ने बताया कि सुल्तानखेड़ा गांव में चकरोड निर्माण को लेकर विवाद की जानकारी मिली है। वायरल वीडियो और पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि मौके पर फिलहाल शांति व्यवस्था बनी हुई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की ओर से निर्माण कार्य को लेकर भी स्थिति स्पष्ट की जाएगी ताकि ग्रामीणों की शिकायतों का समाधान हो सके।

राम मंदिर दान जांच पर अखिलेश के सवाल बोले- संतों की जांच से आस्था आहत होगी

राम मंदिर से जुड़े दान और वित्तीय लेनदेन की जांच के लिए गठित एसआईटी पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सवाल उठाते हुए इसे आस्था से जुड़ा संवेदनशील मामला बताया।उन्होंने कहा कि संतों और महंतों की जांच सरकारी अधिकारियों से कराना सनातन परंपरा के लिए चिंताजनक है और विवाद को आपसी संवाद से सुलझाया जाना चाहिए।वहीं सरकार का कहना है कि एसआईटी का गठन आरोपों की निष्पक्ष जांच और मंदिर की प्रतिष्ठा से जुड़े तथ्यों को सामने लाने के लिए किया गया है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राम मंदिर से जुड़े दान और वित्तीय प्रबंधन के आरोपों की जांच के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यिपूर्ण स्थिति है कि अब संतों, महंतों और मंदिर व्यवस्था से जुड़े लोगों की जांच सरकारी अधिकारी करेंगे। रविवार को आगरा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि यदि भगवान राम को चढ़ाए गए चढ़ावे को लेकर कोई विवाद या गड़बड़ी हुई है तो उसे आपसी संवाद से सुलझाया जाना चाहिए। उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि जो भी चढ़ावा गलत तरीके से लिया गया हो, उसे वापस रख दिया जाए, भगवान राम सबको क्षमा कर देंगे। सपा प्रमुख ने कहा कि धार्मिक संस्थानों और उनसे जुड़े संतों की जांच अधिकारियों से कराना आस्था से जुड़े लोगों को असहज कर सकता है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सरकारी अधिकारी उन लोगों की भी जांच करेंगे जो धर्म और परंपराओं को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। उनके अनुसार यह स्थिति सनातन परंपरा के लिए चिंताजनक है। दरअसल, उत्तर प्रदेश सरकार ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के दान और वित्तीय लेनदेन से जुड़े आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन किया है। यह कदम ट्रस्ट की ओर से सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग के बाद उठाया गया। सरकार का कहना है कि जांच का उद्देश्य तथ्यों को सामने लाना और मंदिर की प्रतिष्ठा को प्रभावित करने वाले आरोपों की सच्चाई जानना है। एसआईटी में लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, पुलिस महानिरीक्षक किरण एस और वित्त विभाग के विशेष सचिव नील रतन को शामिल किया गया है। अधिकारियों के अनुसार यह जांच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गठित की गई है। उधर, अयोध्या से समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने भी इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए मौजूदा जांच प्रक्रिया पर भरोसा न जताया। उन्होंने मांग की कि मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में गठित किसी स्वतंत्र समिति से कराई जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पुनर्गठन और जिम्मेदार पदाधिकारियों को हटाने पर भी विचार किया जाना चाहिए। राम मंदिर से जुड़े दान और कथित वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों को लेकर अब राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। एक ओर सरकार और ट्रस्ट जांच को पारदर्शिता की दिशा में उठाया गया कदम बता रहे हैं, वहीं विपक्ष इसे आस्था और धार्मिक संस्थाओं से जुड़े लोगों की प्रतिष्ठा का विषय बता रहा है।

प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अवैध मजार को हटा दिया

उत्तर प्रदेश सरकार के सख्त निर्देशों के बाद गाजियाबाद के लोनी इलाके में प्रशासन ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। रविवार को ट्रॉनिका सिटी क्षेत्र की अंसल कॉलोनी में भारी पुलिस बल की मौजूदगी के बीच एक अवैध मजार को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। प्रशासन ने जेसीबी (JCB) मशीनों की मदद से इस पूरे गैर-कानूनी निर्माण को हटाकर सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया। जानकारी के मुताबिक, यह अवैध मजार उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) की सरकारी जमीन पर बनाई गई थी। स्थानीय लोग काफी समय से इस कब्जे की शिकायत कर रहे थे। शिकायत मिलने पर प्रशासन की टीम ने इसकी अच्छे से जांच की और पाया कि यह मजार वाकई अवैध तरीके से बनाई गई है। जांच रिपोर्ट देखने के बाद सरकार ने इसे हटाने का सख्त आदेश दिया, जिसके बाद रविवार को कार्रवाई करके इसे हटा दिया गया। चूंकि मामला संवेदनशील था, इसलिए कार्रवाई के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल और PAC के जवानों को तैनात किया गया था ताकि कानून-व्यवस्था न बिगड़े। इस पूरी कार्रवाई की निगरानी खुद प्रशासनिक अधिकारी कर रहे थे, जिनमें लोनी के एसडीएम दीपक सिंघनवाल, डीसीपी सुरेंद्र नाथ तिवारी, एसीपी सिद्धार्थ गौतम और यूपीसीडा के सीनियर मैनेजर एन. के. जैन शामिल थे। अधिकारियों की सूझबूझ के कारण पूरा अभियान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ और इलाके में किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति या विरोध प्रदर्शन नहीं देखा गया।

रोली तिवारी मामले में पार्टी ने नहीं लिया था स्टैंड,लिखा 'कर्मा इज बैक'

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव की बेटी अदिति यादव को लेकर सोशल मीडिया पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों का मामला राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस मुद्दे पर जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेटियों के सम्मान की बात करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का संदेश दिया है, वहीं अब समाजवादी पार्टी की पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता रोली तिवारी मिश्रा ने भी इस विवाद को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। रोली तिवारी मिश्रा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए दावा किया कि जिस तरह की अभद्र टिप्पणियों का सामना आज अदिति यादव को करना पड़ रहा है, वैसी ही परिस्थितियों से वह भी अतीत में गुजर चुकी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जब वह समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता थीं, तब सोशल मीडिया पर उन्हें और उनके परिवार को निशाना बनाया गया था, लेकिन उस समय पार्टी स्तर पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। पूर्व प्रवक्ता ने कहा कि एक व्यक्ति लगातार उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां करता था और पार्टी नेतृत्व को इसकी जानकारी भी थी। उनका आरोप है कि शिकायतों के बावजूद संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कोई कठोर कदम नहीं उठाया गया।

उन्होंने यह भी कहा कि उस दौरान उन्होंने पार्टी नेतृत्व से मामले में हस्तक्षेप की अपेक्षा की थी, लेकिन उनकी बात को गंभीरता से नहीं लिया गया। अपनी पोस्ट में रोली तिवारी ने लिखा कि आज जब अदिति यादव को लेकर विवाद सामने आया है, तब उन्हें अपने पुराने अनुभव याद आ गए हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी पार्टी नेतृत्व से यह सवाल पूछा था कि यदि ऐसी स्थिति उनकी बेटियों के साथ उत्पन्न हो तो उनकी प्रतिक्रिया क्या होगी। रोली तिवारी ने अपने दावों के समर्थन में कुछ पुराने सोशल मीडिया पोस्ट और स्क्रीनशॉट भी साझा किए हैं। साथ ही उन्होंने 'कर्मा इज बैक' लिखकर इशारों-इशारों में अपनी नाराजगी भी जाहिर की।

पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में फर्जी जनसेवा केंद्र का भंडाफोड़

यूपी में मेरठ साइबर सेल और थाना लिसाड़ी गेट पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में फर्जी जनसेवा केंद्र का भंडाफोड़ किया है। लिसाड़ी गेट पुलिस की तरफ से पतारसी, सुरागरसी और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के आधार पर 2 आरोपी अरकम पुत्र निजामुद्दीन और निजामुद्दीन पुत्र यासीन को मेरठ की अंसार कॉलोनी, थाना कोतवाली को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि उनका सॉफ्ट टारगेट गरीब तबके के लोग हुआ करते थे। यह लोग उन्हें अपनी मीठी बातों में फंसाकर उनकी आईडी हासिल कर फर्जी आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड और अन्य दस्तावेज तैयार करते थे। ये लोग फर्जी रबर स्टैम्प/शील मोहर का प्रयोग कर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बैंक खाते खुलवाकर उनके नाम पर डेबिट/क्रेडिट कार्ड भी बनवाते थे। पुलिस की गिरफ्त में आए इन आरोपियों ने अपने मोबाइल फोनों से इन खातों में

instantmudra.in, swifemoney.in वेबसाइट व अन्य ऑनलाइन पेमेंट ऐप्स के माध्यम से पैसों का अन्य खातों में लेन-देन कर अवैध रूप से लाभ हासिल किया। पुलिस ने अकरम और निजामुद्दीन के पास से मोबाइल फोन, डेबिट/क्रेडिट कार्ड, बैंक पासबुक, चेक बुक, वोटर आईडी कार्ड, आधार कार्ड, पैन कार्ड, ब्लैंक हेल्थ कार्ड व रबर स्टैम्प/शील मोहर बरामद की है।